## Need to take Advance measures to Protect Telecom and other Services from Probable dangers of strong Solar Rays

**श्री जय प्रकाश अग्रवाल** (राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली): महोदय, अमरीका में लॉकहीड मार्टिन अडवांस्ट टेक्नोलॉजी सेंटर के सोलर एवं ऐस्ट्रोलॉजी लैब के वैज्ञानिक मार्कस ऐशवांडेन के अनुसार वर्ष 2010 में सौर लपटें सबसे अधिक प्रबल होंगी। उनके अनुसार सूर्य से होने वाले कोरोनल मास इंजेक्शन (सीएमई) इतने प्रचंड होंगे कि लपटें सीधा धरती तक पहुंचेंगी। इससे जीपीएस (ग्लोबल पॉजिशनिंग सिस्टम) जैसी दिशासूचक प्रणालियां और सेल्युलर फोन सेवाएं ठप्प हो जाएंगी। वैज्ञानिकों के अनुसार सूर्य के वातावरण में पैदा होने वाली चुंबकीय ऊर्जा के अनायास फूट पड़ने से सीएमई बनता है और सौर लपटें निकलने लगती हैं तथा जबरदस्त ऊर्जा वाली ये लपटें तेज गति से अंतरिक्ष को चीरते हुए चंद घंटों में धरती तक पहुंच जाती हैं। ऐसी घटनाओं से कभी-कभार बिजली की ग्रिडों में गड़बड़ी उत्पन्न होती है और विद्युत आपूर्ति ठप्प हो जाती है। इस तरह की घटनाओं से धरती के ध्रुवीय क्षेत्रों के पास उड़ने वाले विमानों के यात्रियों को सौर लपटों के विकिरण का खतरा हो जाता है।

वर्तमान में फोन, टेलिविजन, रेडियो, बैंकिंग और क्रेडिट कार्ड सिस्टम समेत कई सेवाएं इन उपग्रहों पर निर्भर हैं।

वर्ष 2010 में हमारे देश में राष्ट्रमंडल खेलों का आयोजन होना है, इसलिए वर्ष 2010 हमारे देश के लिए एक ऐतिहासिक वर्ष होगा, लेकिन सूर्य से निकलने वाली लपटों की वजह से वर्ष 2010 में दूरसंचार एवं अन्य सेवाएं ठप्प होने की संभावना है। अतः ऐसी स्थिति में मेरा सदन के माध्यम से सरकार से अनुरोध है कि वर्ष 2010 में दूरसंचार एवं अन्य सेवाएं ठप्प न हों, इसके लिए समय रहते अवश्य उपचारात्मक उपाय किए जाने हेतु समुचित कदम उठाए।

## Demand to Improve the Condition of National Highways in the North Eastern Region

**श्री समन पाठक** (पश्चिमी बंगाल): महोदय, मैं आपके माध्यम से केन्द्र सरकार का ध्यान राष्ट्रीय राजमार्ग 31 की ओर आकृष्ट करना चाहूँगा।

महोदय, राष्ट्रीय राजमार्ग 31 नॉर्थ-ईस्ट राज्यों और बंगाल से जुड़ा हुआ है। यह रास्ता नॉर्थ-ईस्ट राज्यों के साथ ही सिक्किम, कालेम्पोंग, पर्वतीय क्षेत्र लगायत, डुवर्स, जलपाईगुड़ी और कूच विहार जिलों से भी जुड़ा हुआ है, जो एक मात्र लाइफ लाइन है।

सिक्किम, कालेम्पोंग के पर्वतीय क्षेत्र पर्यटन स्थल होने के कारण वहाँ हजारों की संख्या में पर्यटक आते हैं। लेकिन हाल में राष्ट्रीय राजमार्ग 31 की हालत बहुत ही खराब है। पिछले दिनों भारी वर्षा होने के कारण यह और भी खराब हो गया है।

महोदय, जब सिलीगुड़ी शहर से राजमार्ग पर प्रवेश करते हैं, तो लगता है जैसे वहाँ कोई पक्की सड़क ही न हो। सिलीगुड़ी से सेवक बाजार तक तो यह रास्ता इतना खराब है कि 20/22 मिनट का रास्ता एक घंटे में तय हो पाता है। रोजाना इस मार्ग से यात्रा करने वाले व्यक्ति अत्यंत परेशान हैं।

महोदय, मैं इसके साथ ही सरकार का ध्यान राष्ट्रीय राजमार्ग 55 की ओर भी आकृष्ट करना चाहूँगा। यह राजमार्ग दार्जिलिंग पहाड़ी क्षेत्र से जुड़ा हुआ है। दार्जिलिंग